विकास ने पूर्वोत्तर भारत में उग्रवाद का मुकाबला करने में प्रभावी भूमिका निभाई है: लोकसभा अध्यक्ष

...

आज पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थितियां बदल रही हैं, आज सभी मान रहे हैं कि उग्रवाद किसी समस्या का समाधान नहीं है: लोकसभा अध्यक्ष

...

आमजन में लोकतंत्र के प्रति आस्था, विश्वास और भरोसे को बढ़ाने के लिए काम करना होगा: लोकसभा अध्यक्ष

...

स्तर पर लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करने से उग्रवाद को समाप्त किया जा सकता है: लोकसभा अध्यक्ष

...

डा. अम्बेडकर देश में राजनैतिक लोकतंत्र के साथ सामाजिक लोकतंत्र की भी स्थापना चाहते थे: लोकसभा अध्यक्ष

...

लोकसभा अध्यक्ष ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र (जोन III) सम्मेलन का उद्घाटन किया

...

ईटानगर; 12 मई, 2022: आज लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने अरुणाचल प्रदेश विधानसभा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र (जोन III) सम्मेलन का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि हमारे देश की 75 वर्षों की यात्रा में भारत में लोकतंत्र लगातार सुदृढ़ होता रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद के 75 वर्षों में बहुत विकास हुआ है, लेकिन विभिन्न कारणों से अभी भी बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और संपर्क क्षेत्रों में अंतर विद्यमान हैं और विकास की गति में सुधार करके इस अंतर को कम करने की आवश्यकता है। बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर के इस विचार का उल्लेख करते हुए कि देश में राजनीतिक लोकतंत्र के साथ-साथ सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना के लिए प्रयास किए जाने चाहिए, श्री बिरला ने कहा कि हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती ऐसी सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और कानूनी स्थिति उपन्न करना है जिससे हमारे समाज के प्रत्येक वर्ग को शासन प्रक्रिया में अपनी पूरी क्षमता के साथ भाग लेने में सक्षम बनाया जा सके। श्री बिरला ने कहा कि हमें इस बात पर विचार-विमर्श करना होगा कि हमारी संस्थाओं को लोगों की समस्याओं के प्रति कैसे अधिक संवेदनशील बनाया जाये और लोग किस

प्रकार पंचायत से संसद तक प्रत्येक स्तर पर निर्णय प्रक्रिया में अधिक सक्रिय रूप से भाग ले सकें। इस संबंध में श्री बिरला ने जोर देते हुए कहा कि जन प्रतिनिधियों की यह जिम्मेदारी है कि वे लोगों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति भरोसे और विश्वास को बनाए रखें और उसमें वृद्धि करें।

श्री ओम बिरला ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में विकास और उनमें चुनौतियों के बारे में उल्लेख करते हुए यह कहा कि भारत सरकार ने "एक्ट ईस्ट नीति" के अंतर्गत अवसंरचना विकास के लिए बहुत से महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, जिन्हें शीघ्रतापूर्वक कार्यान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनौतियां अभी भी हैं परन्तु चुनौतियों के साथ , पूर्वोत्तर क्षेत्र में अत्यधिक क्षमता और संभावनाएं हैं जिन्हें अवसर में परिवर्तित किया जा सकता है। श्री बिरला ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए सतत् विकास की इसकी क्षमता के आधार पर एक कार्य योजना बनाई जानी चाहिए। श्री बिरला ने यह देखते हुए कि जैविक खेती और जैविक उत्पादों की मांग है और पूर्वोत्तर क्षेत्र में इस क्षेत्र में अत्यधिक संभावना है, वैश्विक स्तर पर अवसरों का उपयोग करने के लिए इन उत्पादों के उत्पादन बढ़ाने और उचित विपणन पर बल दिया। श्री बिरला ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन अवसंरचना के विकास के द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने यह उल्लेख किया कि इस क्षेत्र के विकास के लिए मानव संसाधन की क्षमता का प्रभावकारी ढंग से उपयोग करना सबसे बड़ी चुनौती है और यह कहा कि हमें लोगों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुसार नीति तैयार करने की आवश्यकता है ताकि कल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके और इस क्षेत्र में लोगों की सामाजिक- स्थिति में सकारात्मक आर्थिक परिवर्तन लाया जा सके।

सतत विकास पर बोलते हुए श्री बिरला ने विकास मॉडलों का उल्लेख किया जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों की संस्कृति और पहचान की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। श्री बिरला ने जोर देकर कहा कि हम न तो क्षेत्र के विकास और न ही संस्कृति से समझौता कर सकते हैं।

इस बात पर जोर देते हुए कि जितना अधिक हम राज्यों में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र में प्रवेश करेंगे, उतना ही हम समाज और लोगों के कल्याण में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगे, श्री बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीकों से विकास के परिणाम स्वरूप उग्रवाद और आतंकवाद समाप्त होगा। श्री बिरला ने कहा कि यह लोकतांत्रिक संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि वे आपस में बातचीत करें, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करें और लोगों के कल्याण के लिए सामूहिक रूप से काम करें, उनकी आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करें।

राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन के बारे में श्री बिरला ने कहा कि यह सम्मेलन संसदीय लोकतंत्र को और समृद्ध बनाने के तरीकों पर चर्चा करने का अवसर है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विचारों, नवाचारों और परंपराओं को साझा करके संसदीय लोकतंत्र को मजबूत किया जाएगा।

इस अवसर पर श्री बिरला ने अरूणाचल प्रदेश विधान सभा के अत्याधुनिक संग्रहालय का उद्घाटन किया। उन्होंने विधानसभा परिसर में विधानसभा के ग्रंथागार एवं एक्सपो और जवाहरलाल नेहरू राज्य संग्रहालय का भी दौरा किया।

इस कार्यक्रम में श्री हरिवंश, उपसभापति, राज्य सभा; श्री पासांग दोरजी सोना, अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष; श्री पेमा खांडू, अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।